ॐ जय गंगे माता,
श्री जय गंगे माता,
जो नर तुमको ध्याता,
मन वांछित फल पाता,
ॐ जय गँगे माता।।

चन्द्र सी ज्योत तुम्हारी,
जल निर्मल आता,
शरण पड़े जो तेरी,
सो नर तर जाता,
ॐ जय गँगे माता।।

पुत्र सगर के तारे,
सब जग को ज्ञाता,
किरपा दृष्टि तुम्हारी,
त्रिभुवन सुखदाता,
ॐ जय गँगे माता।।

एक ही बार जो तेरी,
शरणागति आता,
यम की त्रास मिटाकर,
परम गति पाता,
ॐ जय गँगे माता।।

आरती मात तुम्हारी,
जो जन नित गाता,
दास वही सहज में,
मुक्ति को पाता,
ॐ जय गँगे माता।।

ॐ जय गंगे माता,
श्री जय गंगे माता,
जो नर तुमको ध्याता,
मन वांछित फल पाता,
ॐ जय गँगे माता।।

स्वर तृप्ति जी शाक्या।

Source: https://www.bharattemples.com/om-jai-gange-mata-aarti/

Bharat Temples

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App
https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans

Facebook: https://www.facebook.com/bharattemples/
Telegram: https://t.me/bharattemples
Youtube: https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw